भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 479
गुरुवार, 28 नवंबर, 2024/7 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

सबेया हवाई पट्टी

479. डॉ. आलोक कुमार सुमन:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने सबेया (हथुआ) हवाई पट्टी को आरसीएस मार्ग से जोड़ने के लिए उड़ान योजना के अंतर्गत बोली के पांच या अधिक दौर पूरे कर लिए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा हवाई पट्टी के लिए बोली की अगली तारीख क्या है;

(ख) क्या सबेया विमानपत्तन को जोड़ने वाली आरसीएस उड़ानों/छोटे विमानों के संचालन के लिए बोली दस्तावेज में सबेया (हथुआ) हवाई पट्टी का नाम उल्लेखित नहीं किया गया है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार ने सबेया हवाई पट्टी पर संचालन की व्यवहार्यता का आकलन करने तथा उक्त योजना के अंतर्गत बोली लगाने के लिए एयरलाइन ऑपरेटरों का विशेष ध्यान आकर्षि त किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) उड़ान के अंतर्गत बोली में सबेया विमानपत्तन का नाम लेते हुए विशेष रूप से सबेया विमानपत्तन से परिचालन पर विचार करने के लिए क्या कदम उठाए गए/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (घ): सबेया (हथुआ) हवाई पट्टी 'उड़ान' दस्तावेज में असेवित हवाईअड्डों की सूची में उपलब्ध है।

क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस) – 'उड़ान' एक मांग-आधारित सतत योजना है, जिसके अंतर्गत अधिक से अधिक गंतव्यों/स्टेशनों और मार्गों को कवर करने के लिए समय-समय पर बोली प्रक्रिया आयोजित की जाती है। विशेष मार्गों पर मांग के अपने आंकलन के आधार पर, इच्छुक एयरलाइनें 'उड़ान' के तहत बोली प्रक्रिया के समय अपने प्रस्ताव प्रस्तुत करती हैं। वैध बोली के माध्यम से पहचान किए जाने और चयनित एयरलाइन प्रचालक (एसएओ) को अवॉर्ड किए जाने के बाद असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों का पुनरुद्धार/उन्नयन किया जाता है। योजना के तहत अब तक बोली प्रक्रिया के पाँच दौर पूरे हो चुके हैं। तथापि, सबेया (हथुआ) हवाईअड्डे को जोड़ने वाली कोई वैध बोली प्राप्त नहीं हुई है। इसलिए, सबेया (हथुआ) स्थित हवाईपट्टी को पुनरुद्धार के लिए नहीं लिया जा सका।

*****